

तारीख
दुब

दुब या कार्यवाही पथ इतिहासिक नद

यथा व कार्यवाही
कारण को इस
दुब को कार्यवाही
के जारी हुए

30/12
22

पत्रावली पेश हुई। अतः प्राचीन वकील समाप्ति। अतः प्राचीन वकील
 पूर्व पेशी को सुनी जा चुकी है। अप्रार्थी की अपील को ही स्पष्टित
 नहीं है। प्रथम अप्रार्थी का जवाब प्राप्त है अप्रार्थी के जवाब का
 प्राचीन वकील द्वारा खण्ड नहीं किया है। पत्रावली का अन्वेषण किया
 गया। दस्तावेजों का परिशीलन किया गया। पत्रावली के अन्वेषण के
 फल पर यह कि 2012 जिसमें प्राचीन वकील द्वारा
 प्राचीनी द्वारा मूल वाद 188 राज डाकूत मसि। 1952 के अंत
 पेश है परंतु ख.स. 2012 के समय दस्तावेजों में पत्रावली
 नहीं है। साथ ही पूर्व में J.D.A द्वारा ख.स. 2018/2019/
 में नु. रास्ता की ग्राम पर अतिममण द्वारा हेतु कार्यवाही है, जिसमें
 अप्रार्थी के जवाबनुसार प्राचीनी के पति के खिलाफ अतिममण के
 तौर पर कार्यवाही है परंतु इसका खण्ड प्राचीनी ने नहीं किया है
 अतः अतिममण पत्रावली के अभाव में प्राचीनी का प्र.प. प्रथम
 दस्तावेज चलने योग्य नहीं है व साथ ही प्राचीनी द्वारा
 को ही दस्तावेज पेश नहीं है जो ख.स. 2012 व.स.समें
 दीवार की स्थिति में परिलक्षित करें। अतः नु. विवादांतक
 को प्राचीनी के पक्ष में नहीं है। अतः प्राचीनी अपना प्रा.प. प्राप्त
 के तथ्यों को सिद्ध नहीं कर पाई है। प्राचीनी का प्रा.प. पत्र
 अंतर्गत धारा 212 सि.अ.व. द्वारा खारिज किया जाएगा।
 पत्रावली के अंतर्गत गुणार हो का नाम से उम होकर शामिल
 मूल पत्रावली ही।

सहायक कलेक्टर एवं
 अध्यक्ष आधिकारी, बावडी